दैनिक भास्कर 21/7/2020

YOUTH UPSKILLING | कोविड के दौर में बेहतर सीवी बनाने व एम्प्लॉएबिलिटी के लिए विदेशी भाषाएं सीख रहे ग्रेजुएट्स, प्रोफेशनल्स

डीएवीवी में जर्मन-फ्रेंच लैंग्वेज कोर्स में दाखिले शुरू, इस बार तीन गुना बढ़ी विदेशी भाषाएं सीखने वालों की तादाद

सिटी रिपोर्टर. इंदौर

डीएवीवी की भाषा-अध्ययनशाला में फ्रेंच और जर्मन सर्टिफिकेट कोर्स में एडमिशन शुरू हो गए हैं और इस बार इन दोनों कोर्स में प्रवेश के लिए पिछले वर्ष की तुलना में लगभग तीन गुना ज्यादा आवेदन आए हैं। जर्मन और फ्रेंच लैंग्वेज की 30-30 सीट के लिए 2019 में क्रमशः 27 और 21 आवेदन आए थे। वहीं इस बार तकरीबन 200 स्टूडेंट शुरुआती 5 दिनों मे एप्लाय कर चुके हैं जबकि प्रक्रिया विदेशी 31 अगस्त तक चलेगी।

विदेशी भाषाएं सीखने वालों की तादाद में बढ़त के बारे में विभागाध्यक्ष रेखा आचार्य व विषय विशेषज्ञों का कहना है कि संकट के इस दौर में स्टूडेंट एम्प्लॉएबल बनने और प्रोफेशनल जॉब सिक्योरिटी, तरक्की के लिए ये भाषाएं सीख रहे हैं। यह शहर में नई नई बत नहीं है लेकिन कोरोना के चलते हर सेक्टर जिस संकट से जूझ रहा है उसमें यह छंटनी से बचने का एक जरिया है।

फ्रेंच 29 देशों की अधिकारिक भाषा, लॉकडाउन में 400 से ज्यादा एंक्वायरी हुईं

फ्रेंच ट्यूटर पारुल पाटनी ने बताया - समर वेकेशन में हर ऐज ग्रुप फ्रेंच सीखने आता था। इस बार कोरोना के कारण लगा कि इक्का दुक्का भी नहीं आएंगे, लेकिन लॉकडाउन के एक डेढ़ महीने में ही 400-450 लोगों ने पूछताछ की। इनमें से आधे लोग ऑनलाइन मॉड्यूल जॉइन कर चुके हैं। जर्मन ट्यूटर डेनियल ने बताया - रिसेशन में मेरी जॉब चली गई थी। तब मैंने जर्मन सीखी। लॉकडाउन में पिछले साल से दोगुना लोग पूछताछ कर चुके हैं जर्मन सीखने के लिए।

जापानी भाषा ने दिलाया 38 लाख का पैकेज

एक प्रायवेट यूनिवर्सिटी से पढ़ी इंजीनियर अंशिका यादव को पिछले साल साल जापानी कंपनी रॉक्तेन ने 50 लाख येन के पैकेज पर रिक्रूट किया। मतलब 38 लाख रुपए सालाना। अंशिका बताती हैं - मैं अपनी बैच की टॉपर नहीं थी, लेकिन टॉपर्स को छोड़ कंपनी ने मुझे चुना क्योंकि मैं जापानी जानती हूं।

स्टूडेंट्स-प्रोफेशनल्स सीख रहे ये भाषाएं

जापानी : इंजीनियर्स इसे तरजीह दे रहे क्योंकि जापान में ऐसे भारतीय इंजीनियर्स की डिमांड है जो जापानी बोलना जानते हों।
जर्मन : ऑटो इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स इसे प्राथमिकता दे रहे।
फ्रेंच : टूरिज्म, बीपीओ, एमएनसी, सोशल वर्क, एरोनॉटिक्स और हॉस्पिटलिटी फील्ड वाले फ्रेंच सीख रहे। यह 29 देशों की अधिकारिक भाषा है इसलिए स्कोप इसमें सबसे ज्यादा है।
स्पेनिश : बीपीओ, आईटी, एमएनसी, फार्मा, मार्केटिंग, टेलीकॉम, एविएशन में इस भाषा का ज्ञान नए अवसर दिला रहा।
अरेबिक : पब्लिक रिलेशन, आईटी, बीपीओ, हॉस्पिटलिटी, और ट्रेवल एंड टूरिज्म सेक्टर के लोग अरेबिक भी सीख रहे।
रशियन : बैंकिंग, आईटी, ट्रेडिंग, टूरिज्म प्रोफेशनल्स, हॉस्पिटलिटी प्रोफेशनल के सीवी में रशियन भाषा की अहमियत।
कोरियन : एनैलिस्ट, मार्केटिंग, इंटरनेशनल ट्रेडर्स, इंटरप्रेटर और ट्रांसलेटर कोरियन लैंग्वेज भी सीख रहे हैं।